IJAER/ May-June 2019/Volume-8/Issue-6 ISSN: 2278-9677
International Journal of Arts & Education Research

कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की बालिकाओं के व्यक्तित्व एवं सृजनात्मकता का अध्ययन

डॉ0 अल्पना वर्मा
एसोसिएट प्रोफेसर
शिक्षा संकाय
बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय,
भोपाल, म0प्र0

अलका सातनकर
शोध छात्रा
शिक्षा संकाय
बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय
भोपाल, म0प्र0

प्रस्तावना

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, वह अपनी क्रियाओं और प्रतिक्रियाओं के द्वारा समाज एवं स्वयं की उन्नति करना चाहता है यह उन्नति उसे तभी प्राप्त हो सकती है, जबकि वह अपनी संस्कृति सभ्यता के शाश्वत मूल्यों की दैनिक जीवन में प्रयोग करना प्रारम्भ कर दे। यह कार्य शिक्षा के द्वारा ही सम्भव है। वर्तमान की शिक्षा बाल केन्द्रित शिक्षा है, अतः बालक–बालिकाओं की शिक्षा का आयोजन शिक्षा मनोविज्ञान द्वारा ही सम्भव है। व्यावहारिक पक्ष भी यह स्वीकार कर चुका है, कि विद्वान व्यक्ति भी शिक्षा देने में असफल हो जाते हैं और एक सामान्य शिक्षक की कक्षा को या विद्यार्थियों को शिक्षा देने में समर्थ व प्रभावशील होता है, अतः हम कह सकते हैं, अच्छा शिक्षक वही है जो कि जात, पात, धर्म, क्षेत्र, परिवार, आर्थिक स्थिति, सामाजिक स्थिति के आधार पर शिक्षा न देकर उनकी रूचि, व्यक्तित्व, समायोजनशीलता, सृजनशीलता, क्षमताऐं उनके बौद्धिक स्तर को ध्यान रखकर उन्हें शिक्षा देते हैं, जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके। इसी परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखकर शोध छात्रा द्वारा 'कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की बालिकाओं

के व्यक्तित्व एवं सृजनात्मकता' का अध्ययन किया गया है, क्योंकि कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राएँ जो पिछड़े इलाकों से सम्बन्धित है, जो माता–पिता, भाई–बहनों को देखने में अपना योगदान देती है तो वे शिक्षा द्वारा अपने व्यक्तित्व व सृजनशीलता से राष्ट्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

शोध के उद्देश्य

1. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की बैतूल एवं भोपाल की बालिकाओं के सृजनात्मकता का अध्ययन।
2. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की बैतूल एवं भोपाल की बालिकाओं के व्यक्तित्व का अध्ययन।

परिकल्पनायें

1. बैतूल एवं भोपाल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं की सृजनात्मकता में सार्थक अन्तर नहीं है।
2. बैतूल एवं भोपाल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं के व्यक्तित्व में सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध परिसीमन

1. शोधार्थिनी द्वारा भोपाल एवं बैतूल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय के 400 छात्राओं को न्यादर्श के रूप में चुना गया है।
2. उच्च प्राथमिक स्तर की (कक्षा–6, 7, 8) की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं को लिया गया है।
3. बैतूल एवं भोपाल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं की सृजनात्मकता एवं व्यक्तित्व का अध्ययन सीमित किया गया है।

शोध विधि

शोधार्थी द्वारा वर्णात्मक अनुसंधान में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

शोध में प्रयुक्त न्यादर्श

शोधार्थी द्वारा बैतूल के कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की 200 छात्रायें तथा भोपाल के कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की 200 छात्राओं को यादृच्छिक विधि द्वारा न्यादर्श का चयन किया गया।

शोध में प्रयुक्त चर

स्वतंत्र चर – कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राएँ

आश्रित चर – व्यक्तित्व, सृजनात्मकता

शोध उपकरण

शोध अध्ययन में सृजनशीलता के मापन के लिए डॉ0 बाकर मेंहदी का मानकीकृत सृजनात्मकता उपकरण लिया गया है एवं व्यक्तित्व के मापन के लिए डॉ0 मंजू अग्रवाल का मानकीकृत परीक्षण लिया गया है।

सांख्यिकीय तकनीक

प्रदत्तो के विश्लेषण अर्थात् शून्य परिकल्पनाओं की जाँच के लिए मध्यमान (M), मानक विचलन (SD), (t) टेस्ट आदि का प्रयोग किया गया है।

शोध प्रदत्तों का विश्लेषण एवं वर्गीकरण

परिकल्पना–1

बैतूल एवं भोपाल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की बालिकाओं के कुल व्यक्तित्व में सार्थक अन्तर नहीं है। तालिका–1

बैतूल एवं भोपाल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की बालिकाओं के कुल व्यक्तित्व के t मान का विश्लेषण

क्रमांक	Group	Common Variable	N	M	SD	SEa	t	.05 सार्थकता स्तर
1	बैतूल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्रायें	व्यक्तित्व	200	249.3	12.5	1.2	* 5.9	सार्थक
2	भोपाल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्रायें	व्यक्तित्व	200	256.4	12.9			

df – 398
.05 – 1.97

विश्लेषण

सारणी को देखने से स्पष्ट है कि बैतूल एवं भोपाल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं के कुल व्यक्तित्व के मध्यमान क्रमशः 249.30 एवं 256.40 प्राप्त हुए है, SD का मान 12.05 एवं 12.09 आया है तथा t का मान 5.9 प्राप्त हुआ है, जो .05 सार्थकता स्तर पर तालिका मान 1.97 से अधिक प्राप्त हुआ है, अर्थात् t का मान .05 सार्थकता स्तर पर सार्थक आया है, अर्थात् व्यक्तित्व के मध्यमानों का अन्तर सार्थक पाया गया है, अर्थात् व्यक्तित्व की शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

परिणाम

बैतूल एवं भोपाल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं के व्यक्तित्व के t का मान (5.9) .05 सार्थकता स्तर पर सार्थक पाया गया, अर्थात् भोपाल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं के व्यक्तित्व का मध्यमान 256.40 बैतूल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं के व्यक्तित्व के मान 249. 30 से अधिक आया है अतः हम कह सकते हैं कि भोपाल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं का व्यक्तित्व अधिक पाया गया है। अतः व्यक्तित्व की शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना–2

बैतूल एवं भोपाल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं के कुल सृजनात्मकता में सार्थक अन्तर नहीं है। तालिका–1

बैतूल एवं भोपाल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं की कुल सृजनात्मकता के t मान का विश्लेषण

क्रमांक	Group	Common Variable	N	M	SD	SEa	t	.05 सार्थकता स्तर
1	बैतूल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्रायें	सृजनात्मकता	200	151.44	11.29	1.1	* 9.32	सार्थक
2	भोपाल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्रायें	सृजनात्मकता	200	161.7	12.04			

df – 398
.05 – 1.97

विश्लेषण

सारणी के अवलोकन से स्पष्ट है कि बैतूल एवं भोपाल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं के कुल सृजनात्मकता के मध्यमान क्रमशः 151.44 एवं 161.70 है, मानक विचलन SD का मान क्रमशः 11.29 एवं 12.04 आया है तथा t का मान 9.32 प्राप्त हुआ है, जो .05 सार्थकता स्तर पर तालिका मान 1.97 से अधिक है, अर्थात् t का मान .05 सार्थकता स्तर पर सार्थक पाया गया है, अतः सृजनात्मकता की शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

परिणाम

बैतूल एवं भोपाल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं के सृजनात्मकता के t का मान (9.32) .05 सार्थकता स्तर पर सार्थक पाया गया है, अर्थात् हम कह सकते है कि भोपाल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राएं

Copyright@ijesrr.org

बैतूल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं से अधिक सृजनशील पायी गयी हैं।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण एवं परिणाम से स्पष्ट है कि बैतूल एवं भोपाल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं भोपाल की छात्राओं का व्यक्तित्व एवं सृजनात्मकता बैतूल की छात्राओं से अधिक पाया गया है।

शैक्षिक निहितार्थ

शोध छात्रा द्वारा बैतूल एवं भोपाल जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं की सृजनात्मकता एवं व्यक्तित्व का अध्ययन करने का आधार कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं दलित परिवारों से पीढ़ी दर पीढ़ी चलने वाली निर्धनता, ग्रामीण अँचलो से होना, शिक्षा ग्रहण की उम्र में माता—पिता के साथ कम उम्र में रोजगार में हाथ बढ़ाना, भाई—बहनों को सम्भालना आदि कार्य इनकी शिक्षा में रूकावट के बहुत बड़े कारक हैं।

शोध छात्रा द्वारा अभावग्रस्त कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं में व्यक्तित्व एवं सृजनात्मकता को जानने के लिए शोध—अध्ययन का विषय लिया गया है। जिसके द्वारा इन बालिकाओं के व्यक्तित्व एवं सृजनात्मकता को और अधिक विकसित करें जिससे राष्ट्र एवं समाज में इन बालिकाओं के योगदान को सुनिश्चित किया जा सके।

सुझाव

1. विभिन्न जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं के व्यक्तित्व तथा सृजनात्मकता का अध्ययन।

2. भिन्न–भिन्न जिले की कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं की शिक्षा की रूचि का अध्ययन।
3. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं की पारिवारिक स्थिति, वातावरण का अध्ययन एवं उनके व्यक्तित्व एवं सृजनात्मकता पर प्रभाव।
4. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं के माता–पिता की शिक्षा, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का अध्ययन।
5. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं एवं उनके माता–पिता की शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन।
6. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं को सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता का मूल्यांकन एवं उनसे उनकी कौशल के विकास का अध्ययन।
7. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं की शिक्षा में अपव्यय एवं अवरोधन आने वाले कारणों को जानने का अध्ययन।
8. कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय की छात्राओं तथा प्रशासन, संगठन द्वारा बालिकाओं के सृजनात्मकता, व्यक्तित्व विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों का अध्ययन आदि सुझाव में निहित है।

सन्दर्भ–सूची

1. चड्डा पी0सी0– शारीरिक शिक्षा, संगठन एवं मनोरंजन, प्रकाश ब्रदर्श एजूकेशन पब्लिशर्स लूधियाना, 1979।
2. ईगैरिट, हेनरी– शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी के प्रयोग, कल्याण पब्लिशर्स–लूधियाना, 1979।
3. ओबियामा, हेलन ओगोमिका, ए स्टडी ऑफ द इमोशनल इन्टेलिजेन्स एण्ड लाइफ एडजस्टमेंट ऑफ सीनियर सेकेन्डरी स्कूल स्टूडेन्ट्स इन नाइजीरिया, द

ओरलेण्डो इण्टरनेशनल एकेडेमिक कॉन्फेरेन्स, एकेडमी ऑफ कॉलेज एजुकेशन ओन्डा, नाइजीरिया, 2012।

4. कलस्टन, आर, द रिलेशनशिप बिटवीन इमोशनल इन्टेलीजेन्स एण्ड एकेडमिक एचीवमेन्ट : इम्पलीकेशन ऑफ बर्थ ऑर्डर बेसड ऑन सोशल रैंक, 114, के पेला यूनिसवर्सिटी, 2011।

5. कलस्ट, एरे कोटो, कॉग्नीटिव स्किल ऑफ मेथेमेटिकल प्रोब्लम साल्विंग ऑफ ग्रेड–6, चिल्ड्रेन, इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव इण्टरडीसिप्लिनरी रिसर्च, 1, 323–340, 2011।

6. नई शिक्षा नीति, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग), भारत सरकार नई, दिल्ली।

7. दैनिक जागरण, शिक्षा नीति का उद्देश्य, इलाहाबाद, 7 सितम्बर, 2003।

8. स्वामी विवेकानन्द, शिक्षा श्री रामकृष्ण–शिवानन्द स्मृतिग्रन्थ माला, रामकृष्ण मिशन मठ, नागपुर, 6–7, 2003, भारत सरकार, नई दिल्ली।